रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 6 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 303 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में बड़ा बदलाव संभव

- बंगाली से पलासिया तक अंडरग्राउंड रूट पर 14 दिसंबर की बैठक में होगा फैसला

इंदौर। शहर में लंबे समय से चल रहा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। बंगाली चौराहा से पलासिया चौराहा तक के हिस्से को अंडरग्राउंड करने का प्रस्ताव राज्य सरकार की उच्च स्तरीय बैठक में रखने की तैयारी शुरू हो गई है। यह बैठक 14 दिसंबर को इंदौर में आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर व्यापक चर्चा की जाएगी। इंदौर के सबसे भीड़भाड़ वाले इस हिस्से में पहले से मंजूर प्लान के अनुसार एलिवेटेड मेट्रो रूट का निर्माण होना था। लेकिन इस योजना को लागू करने में भारी चुनौतियां सामने आ रही हैं, क्योंकि एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए बड़ी संख्या में मकान और इमारतों को तोड़ना पड़ेगा। जमीन अधिग्रहण की जटिल प्रक्रिया से लेकर स्थानीय लोगों के विरोध तक, यह पूरा क्षेत्र विवाद का केंद्र बन गया है। यही वजह है कि जनप्रतिनिधियों ने पिछले दिनों नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की बैठक में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया। बैठक में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि यदि इस क्षेत्र में मेट्रो को भूमिगत कर दिया जाए, तो न केवल मकान तोड़ने की जरूरत कम होगी, बल्कि शहर के घनी आबादी वाले हिस्से में ट्रैफिक और संरचनात्मक परेशानियां भी कम होंगी। पिछली बैठक में मौजूद अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे और मेट्रो कंपनी के प्रबंध संचालक कृष्णन चैतन्य ने भी विस्तृत चर्चा के बाद इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक के मिनट्स तैयार किए गए और मेट्रो कंपनी के माध्यम से राज्य सरकार को संशोधित प्रस्ताव भेजा गया। हालांकि भोपाल में अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अब 14 दिसंबर की बैठक को इस मुद्दे पर अंतिम दिशा मिलने की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, जब इंदौर के भविष्य के विकास की दिशा तय करने के लिए बैठक बुलाई गई है, तो मेट्रो जैसे बड़े और लंबित प्रोजेक्ट को नजरअंदाज करना संभव नहीं है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने भी पुष्टि की कि इस बैठक में मेट्रो के इस प्रस्ताव को रखने की तैयारी की जा रही है, और जनप्रतिनिधि भी अपने विचार मुख्यमंत्री के सामने रख सकेंगे। इस चर्चा के बाद यह स्पष्ट हो सकता है कि इंदौर के दिल कहे जाने वाले इस हिस्से में मेट्रो की दिशा अब जमीन के ऊपर चलेगी या नीचे। अब सभी की निगाहें 14 दिसंबर को होने वाली बैठक पर टिकी हैं, क्योंकि यही बैठक तय करेगी कि इंदौर के इस महत्वपूर्ण हिस्से में मेट्रो का भविष्य कैसा होगा और शहर के विकास की रूपरेखा किस स्वरूप में आगे बढ़ेगी।

सुपर कॉरिडोर की चमक पर असर, IDA के 11 बड़े भूखंडों के लिए एक भी टेंडर नहीं मिला, डेवलपर्स-बिल्डरों ने दिखाई बेरुखी

इंदौर। शहर और उज्जैन के विकास प्राधिकरणों ने बड़े जोर-शोर से जिन व्यावसायिक भूखंडों की मार्केटिंग की थी, वे सभी प्रयास अंततः फीके पड़ गए। होटल, हॉस्पिटल, स्कूल और आईटी बिल्डिंग जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए सुपर कॉरिडोर पर मौजूद 11 विशाल भूखंडों के लिए जारी किए गए टेंडरों पर एक भी डेवलपर ने रुचि नहीं दिखाई। जबकि इन भूखंडों का आकार एक से दो लाख वर्गफीट के बीच था और इन्हें सुपर कॉरिडोर की योजना 151 और 169-बी के प्रमुख सेक्टर्स में विकसित किया जाना था। प्राधिकरण ने पिछले दिनों होटल मैरिएट में शहर के नामचीन बिल्डरों, कालोनाइजरों और निवेशकों के सामने इन भूखंडों की विस्तृत जानकारी रखी। इस आयोजन में पर्यटन विभाग के उपसचिव भी मौजूद थे। इससे पहले उज्जैन विकास प्राधिकरण ने भी 22 भूखंडों का संयुक्त प्रमोशन किया था। दोनों प्राधिकरणों ने मिलकर सुपर कॉरिडोर को इंदौर के भविष्य के ग्रोथ हब के रूप में प्रस्तुत किया और बताया कि यहां होटल, अस्पताल, आईटी, शिक्षा से जुड़ी बड़ी गतिविधियां विकसित हो सकती हैं। लेकिन बाजार की सुस्ती और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश की कमी के चलते किसी भी डेवलपर ने इन भूखंडों के लिए टेंडर नहीं डाला।

रियल एस्टेट विशेषज्ञों का कहना है कि अभी बाजार में उत्साह उतना नहीं है कि इतने बड़े भूखंडों में भारी निवेश किया जाए। सुपर कॉरिडोर पर इस समय अपेक्षित हलचल भी नहीं दिखाई देती, जबकि भविष्य में मेट्रो के शुरू होने पर यहां गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। प्राधिकरण स्वयं यहां स्टार्टअप पार्क और कन्वेंशन सेंटर जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट विकसित कर रहा है, लेकिन निजी डेवलपर्स अभी सतर्क निवेश नीति अपनाए हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि जहां सुपर कॉरिडोर के 11 भूखंडों के लिए एक भी टेंडर नहीं मिला, वहीं इसी दौरान योजना 140 के 60 हजार वर्गफीट के एक बड़े भूखंड के लिए 130 करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्ताव आया, जिसे बोर्ड ने मंजूर भी कर दिया। यह वही भूखंड है जिसका पिछला सिंगल टेंडर तत्कालीन कलेक्टर द्वारा निरस्त कर दिया गया था। मगर तीसरी बार टेंडर बुलाने पर फिर से वही कंपनी—राजश्री पावर एंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड—ने सिंगल प्रस्ताव दिया और प्रक्रिया के अनुसार प्राधिकरण को इसे मंजूर करना पड़ा। हालांकि इस भूखंड में पिछले प्रस्ताव की तुलना में केवल 49 रुपए प्रति वर्गमीटर का मामूली फायदा हुआ। सुपर कॉरिडोर को लेकर प्राधिकरण हैरान है कि इतने बड़े प्रमोशन, पर्यटन विभाग के साथ संयुक्त मार्केटिंग और होटलङ्कआईटी सेक्टर के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए भूखंडों के बावजूद बाजार से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जमीनों पर मास्टर प्लान के तहत 19 तरह की गतिविधियों की अनुमति है, जिससे ये प्रोजेक्ट कई बड़े निवेशकों के लिए उपयुक्त थे। फिर भी बाजार की मंदी और भविष्य की अनिश्चितता के चलते डेवलपर्स ने निवेश को टालना ही बेहतर समझा। अब प्राधिकरण इस बात का इंतजार कर रहा है कि आने वाले समय में जब मेट्रो संचालन शुरू होगा और सुपर कॉरिडोर पर निजी बिल्डरों की टाउनशिप्स व अन्य प्रोजेक्ट सक्रिय होंगे, तब शायद इन भूखंडों की मांग बढ़ेगी और बाजार फिर से सक्रिय हो सकेगा। अभी के हालात में इन 11 भूखंडों का खाली रह जाना विकास प्राधिकरण के लिए एक बड़ा संकेत है कि बाजार की गति को समझते हुए रणनीतियों में बदलाव करने का समय आ गया है।

कलेक्टर वर्मा ने स्कूली बच्चों को किये स्वेटर वितरित, तीन और स्कूलों में दिए जाएंगे स्वेटर

इंदौर। इंदौर एकीकृत पाठशाला, शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 22 (सीआरपी लाइन) में स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रेरक सामाजिक पहल में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सहभागिता करते हुए बच्चों को स्वेटर वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कीकार्यक्रम समाजसेवी डॉ. प्रेमकुमारी नाहटा की प्रेरणा से सेवानिवृत्त चिकित्सकों के समूह द्वारा आयोजित किया गया। स्वेटर वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाए। ठंड से प्रभावित नहीं हो और ठंड के कारण कोई भी बच्चा स्कूल की छुट्टी नहीं करें। समाज सेवा की यह पहल विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है इस अवसर पर कलेक्टर वर्मा ने स्कूली बच्चों से सीधा संवाद किया बच्चों से कहा कि वे नियमित रूप से स्कूल जाए। पढ़े, लिखे उन्नति करें और बड़े व्यक्ति बने। उन्होंने बच्चों से शैक्षणिक विषयों और पाठ्यक्रमों की रूचि के बारे में भी जाना। उन्होंने बच्चों से उनके भविष्य और कैरियर के बारे में जानकारी ली कलेक्टर वर्मा ने विद्यालय में एक्टिविटी रूम विकसित करने की योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए, ताकि बच्चों में रचनात्मकता, नवाचार और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. प्रेमकुमारी नाहटा, डॉ. मुक्ता जैन, डॉ. हेमंत जैन उर्मिला काकड़िया, डॉ. अतुल नाहटा, डॉ. जयश्री नाहटा सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे। डॉ. हेमन्त जैन ने कहा कि शैक्षणिक सत्र के दौरान किसी भी विद्यार्थी को ठंड का सामना न करना पड़े, इसी उद्देश्य से सभी बच्चों को स्वेटर प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम तीन और अन्य स्कूलों में भी आयोजित किए जाएंगे।

47 करोड़ के राऊ फ्लायओवर की सड़क पहली बारिश में उखड़ी, गंभीर शिकायतों के बाद अब डामर हटाकर सीमेंट कांक्रीट की बनाई जा रही नई रोड

इंदौर। नेशनल हाईवे के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच राऊ सर्कल फ्लायओवर का मामला अब बड़ा विवाद बन चुका है। लगभग 47 करोड़ रुपए की लागत से बना यह फ्लायओवर बीते वर्ष दिसंबर 2024 में ही लोकार्पित हुआ था, लेकिन महज कुछ ही महीनों में इसके ऊपर बनाई गई डामर सड़क पहली बारिश में इतनी बुरी तरह उखड़ गई कि पूरा फ्लायओवर गड्ढों से पट गया। रोजाना 70 हजार से अधिक वाहनों के गुजरने वाले इस महत्वपूर्ण फ्लायओवर पर बड़े-बड़े खतरनाक गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएं हुईं और एक युवक की मौत भी हो गई। गुणवत्ता को लेकर आई लगातार शिकायतों के बाद नेशनल हाईवे अधिकारियों ने पहले पेंचवर्क करवाया, फिर गड्ढों को भरने के लिए पेवर ब्लॉक लगा दिए। लेकिन इससे वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ गई। स्थिति तब गंभीर हुई जब मामला दिल्ली तक पहुंचा और कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर ठेकेदार कंपनी मेसर्स विंध्य कंस्ट्रक्शन पर कार्रवाई की मांग की।

नेशनल हाईवे विभाग ने अब ठेकेदार कंपनी को निर्देश दिया है कि पूरी डामर सड़क हटाकर उसकी जगह सीमेंट कांक्रीट की नई सड़क बनाई जाए। अधिकारियों का कहना है कि डामर की मरम्मत बार-बार करनी पड़ रही थी, इसलिए टिकाऊ विकल्प अपनाना जरूरी हो गया था। फिलहाल फ्लायओवर के एक हिस्से में खुदाई करके काम शुरू किया गया है ताकि दूसरी ओर का यातायात बाधित न हो। काम दो चरणों में होगा—पहले दो लेन की डामर सड़क हटाकर सीमेंट कांक्रीट बिछाई जाएगी, इसके बाद दूसरी लेन पर काम शुरू किया जाएगा। फ्लायओवर की खराब स्थिति के कारण न केवल मुख्य सड़क बल्कि सर्विस रोड भी क्षतिग्रस्त हुई। बारिश में पानी भरने से वहां वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय विधायक मधु वर्मा ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए नेशनल हाईवे अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और ठेकेदार से ही सड़क सुधारने के लिए कहा। टेंडर की शर्तों के अनुसार फ्लायओवर का रखरखाव पांच साल तक ठेकेदार कंपनी के जिम्मे है, लेकिन इतनी जल्दी सड़क का उखड़ जाना निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब सीमेंट कांक्रीट की नई सड़क बनने के बाद उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वाहन चालकों को ऐसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, हालांकि अभी निर्माण कार्य के दौरान यातायात को सुचारु रखना भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

देश में पहली बार सरकारी चयन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और निष्पक्ष

● मुख्यमंत्री यादव ने शुरू किया करप्शन-फ्री ऑनलाइन नियुक्ति सिस्टम

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के सभागार में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवचयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह सिर्फ एक नियुक्ति वितरण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि प्रदेश में सुशासन और पारदर्शिता के नए युग की शुरुआत थी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि सरकार ने पहली बार देश में ऐसी ऑनलाइन पारदर्शी प्रणाली लागू की है, जिसमें किसी तरह के भ्रष्टाचार, सिफारिश या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश ही नहीं बचती। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन के सबसे निचले स्तर-ग्राम पंचायत-पर काम करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य की सर्वोच्च संस्थान विधानसभा में नियुक्ति पत्र देना अपने-आप में एक ऐतिहासिक कदम है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार व्यवस्था को मजबूत करने और मेहनत को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यशोदा मैया का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह भगवान कृष्ण को उनके बचपन में शिक्षा और संस्कार मिले, आंगनवाड़ी भी बच्चों को उसी तरह जीवन की पहली सीख देने का पवित्र स्थान है। इसलिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन वे पूरी निष्ठा और समर्पण से करें। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन भी कराया गया ताकि उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और शासन व्यवस्था की गहराई से समझ मिल सके। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने पारदर्शी और ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि यह सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है और मध्यप्रदेश ने पूरे देश के लिए एक आदर्श स्थापित किया है।

समारोह में मंत्री निर्मला भूरिया, पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई और प्रमुख सचिव जीवी रश्मि उपस्थित रहे। अर्चना चिटनिस ने नवचयनित कार्यकर्ताओं को कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार बने रहने की शपथ दिलाई, जबकि मंत्री निर्मला भूरिया ने संबोधन में बताया कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सरकार प्रशासनिक सुधारों को लेकर कितनी गंभीर है। प्रदेश में कुल 19,250 रिक्त पदों के लिए लगभग 4 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से लगभग 12,075 पदों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी कर नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह देश का पहला ऐसा मॉडल है जिसमें नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। इस डिजिटल पद्धति में दस्तावेज गुम होने, हेरा-फेरी, मानवीय त्रुटि या किसी तरह की अनियमितता की संभावना पूरी तरह समाप्त हो गई है

अब चयन सौ प्रतिशत मेरिट आधार पर हो रहा है। साथ ही दावा-आपत्ति और अपील की ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है ताकि किसी भी उम्मीदवार के साथ अन्याय न हो। नई नियुक्तियों के बाद प्रदेश सरकार प्रतिमाह लगभग 14 करोड़ रुपये मानदेय के रूप में वितरित करेगी, जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं को आर्थिक मजबूती और सम्मानजनक आजीविका का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए अभिनंदन पत्र भेंट किया और भरोसा दिलाया कि वे प्रदेश के भविष्य-इसके नन्हें बच्चों-को सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित करने के लिए पूरी लगन से कार्य करेंगी। यह कार्यक्रम न सिर्फ नियुक्ति वितरण का आयोजन था, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी था कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो सरकारी व्यवस्था ईमानदारी, पारदर्शिता और दक्षता के रास्ते पर आगे बढ़ सकती है।

शादी समारोह और विधानसभा सत्र पर संसदीय कार्य मंत्री की बड़ी टिप्पणी

प्रतिनियुक्ति पर आए अफसरों को लौटाने का ऐलान, सदन में गरमाया मुद्दों का सिलसिला

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में एक दिलचस्प लेकिन गंभीर बहस देखने को मिली, जब संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह सलाह देकर सबका ध्यान खींच लिया कि विधानसभा सत्र ऐसे समय न रखे जाएं जब शादी-ब्याह का मौसम चरम पर हो. मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शादी समारोहों की वजह से कई विधायकों के लिए सदन की कार्यवाही में उपस्थित रहना मुश्किल हो जाता है पारिवारिक जिम्मेदारियों और सार्वजनिक दायित्वों के बीच फंसे विधायकों की समस्या को उठाते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में सत्र की तारीखें तय करते समय इस व्यावहारिक पहलू को ध्यान में रखा जाना चाहिए. उनका यह बयान हल्के अंदाज़ में सामने आया, लेकिन इसके पीछे विधायकों की लगातार अनुपस्थिति का मुद्दा स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

सत्र का यह आखिरी दिन था और कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन में उठे. प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि अनेक विधायक महत्वपूर्ण चर्चा के समय सदन में मौजूद नहीं रहते. उन्होंने कहा कि जब विधायक ही नदारद रहेंगे, तो

जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस कैसे हो पाएगी. यह टिप्पणी सीधे तौर पर उन जनप्रतिनिधियों की ओर इशारा करती है जो निजी कार्यक्रमों में व्यस्त होकर संवैधानिक दायित्वों को पीछे कर देते हैं।

इसी बीच नगरीय प्रशासन से जुड़े एक बड़े मामले पर भी मंत्री ने अहम घोषणा की. उन्होंने कहा कि कई अधिकारी प्रभाव और सिफारिश के दम पर नगरीय निकायों में प्रतिनियुक्ति पर आ जाते हैं और फिर वर्षों तक वहीं जमे रहते हैं. अब ऐसी प्रति नियुक्तियों पर सख्त रुख अपनाया जाएगा. जो भी अधिकारी मनमर्जी या दबाव के आधार पर पोस्टिंग लेकर आए हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा. उन्होंने यह भी साफ किया कि जरूरत के हिसाब से ही किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर रखा जाएगा. इस बयान से साफ है कि नगरीय निकायों में लंबे समय से जमे हुए अफसरों की अब खैर नहीं। सदन में भाजपा विधायक बृज बिहारी पटेरिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने इस नीति को और स्पष्ट किया. वहीं, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठा. भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर ने नगर परिषदों में अधिक बिल लगाने, सफाई कर्मचारियों को ज्यादा भुगतान करने जैसी गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया और कहा कि ऐसे मामलों में सीएमओ को तत्काल हटाया जाना चाहिए. इस पर मंत्री ने सहमति जताते हुए कहा कि धामनोद क्षेत्र बहुत बड़ा है और यहां एक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है. साथ ही यह भी बताया कि संबंधित सीएमओ को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इसके अलावा कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने चांदामेटा क्षेत्र में ऑडिटोरियम निर्माण से जुड़ा मुद्दा उठाया. जवाब में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नए ऑडिटोरियम के निर्माण में बहुत खर्च आएगा, इसलिए गीता भवन को ही ऑडिटोरियम के रूप में विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। दिनभर की कार्यवाही ने यह साफ कर दिया कि विधानसभा सत्र के आखिरी दिन भी बहसें उतनी ही तीखी और महत्वपूर्ण रहीं जितनी पूरे सत्र के दौरान थीं. अब देखना यह होगा कि शादी समारोह के बीच सत्र न रखने की सलाह और प्रतिनियुक्ति पर आए अफसरों को वापस भेजने की घोषणा जमीन पर कब तक दिखने लगती है।

मप्र विधानसभा में शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन विपक्ष नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष ने गांधी प्रतिमा के सामने लगाए नारे

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन, 5 दिसंबर, उस समय चर्चा का बड़ा विषय बन गया जब सदन में वह दृश्य दिखाई दिया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। आमतौर पर सदन के भीतर और बाहर प्रदर्शन की भूमिका विपक्ष की होती है, लेकिन इस बार समीकरण पूरी तरह उलट गए। सत्र के आखिरी दिन कांग्रेस नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के विधायक गांधी प्रतिमा के सामने नारे लगाते हुए दिखाई दिए। यह घटना न केवल सदन परिसर में मौजूद लोगों को चौंकाने वाली थी, बल्कि राजनीतिक हलकों में भी इसके मायने तलाशे जाने लगे। सुबह कार्यवाही शुरू होने से पहले भारतीय जनता पार्टी के कई विधायक पोस्टर लेकर गांधी प्रतिमा के पास पहुंचे और जोरदार नारेबाज़ी की। उनके पोस्टरों पर 'विकास किया है, विकास करेंगे' जैसे संदेश लिखे थे। यह नारे इस बात का संकेत थे कि सत्ता पक्ष अपने काम और उपलब्धियों को लेकर फ्रंट-फुट पर आना चाहता है और विपक्ष के आरोपों तथा आलोचनाओं का जवाब आक्रामक तरीके से देना चाह रहा है। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा इस दौरान सबसे आगे नज़र आए। उन्होंने मीडिया से कहा कि भाजपा सरकार ने जितना विकास किया है, वही जनता को दिखाया जा रहा है। उनका कहना था कि विपक्ष सिर्फ आरोप लगाता है, जबकि सत्ता पक्ष अपने काम को साबित करके दिखा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब उनके पास बताने लायक कोई उपलब्धि नहीं होती, तो वे विषयों को भटकाने का प्रयास करते हैं। दूसरी ओर, सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद कुल 21 ध्यानाकर्षण सूचनाएं आईं, जिन पर चर्चा की गई। सत्र का अंतिम दिन होने के कारण सदन का माहौल पहले से ही गंभीर था, लेकिन सत्ता पक्ष की ओर से देखे गए इस असामान्य प्रदर्शन ने राजनीतिक तापमान को और बढ़ा दिया। सामान्यतः विधानसभा में विपक्ष ही सरकार पर दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन और नारेबाज़ी करता है, लेकिन इस बार भूमिकाओं का यह उलटफेर कई सवालों को जन्म देता है। क्या यह विपक्ष की कमी पर तंज था, या सरकार का अपनी उपलब्धियां जनता के सामने ज़ोरदार ढंग से पेश करने का नया तरीका? इसके पीछे की वजह चाहे जो हो, लेकिन शीतकालीन सत्र का आखिरी दिन निश्चित रूप से यादगार बन गया है।

72 घंटे की कार्रवाई पर जीएसटी अफसरों की चुप्पी, मऊगंज में सराफा कारोबारी पर छापे ने खड़े किए कई गंभीर सवाल

मऊगंज। मध्यप्रदेश के मऊगंज में तीन दिन तक चली जीएसटी की छापेमारी अब विवादों में घिर गई है। सराफा कारोबारी मोहित टंच की फर्मों पर कार्रवाई तो हुई, लेकिन जिस तरह से पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, उसने कर विभाग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब जीएसटी अधिकारी देर रात जांच खत्म कर बाहर निकले और मीडिया को देखते ही उल्टे पैर वापस भाग गए। यह दृश्य ऐसा लग रहा था मानो किसी बड़े सच को छुपाने की कोशिश की जा रही हो। रात 1 बजे जब अधिकारी दोबारा बाहर आए, तो पहले तो उन्होंने कैमरे से दूरी बनाने की कोशिश की और कहा कि ÷मैं मीडिया में बात रखने के लिए अधिकृत नहीं हूं।÷ लेकिन जब पत्रकार हटे नहीं और कैमरा लगातार चालू रहा, तो उन्हें मजबूरन कुछ सवालों के जवाब देने पड़े। सवाल यह था कि जब जांच में 35 लाख की कर चोरी का खुलासा हुआ, तो मामला आखिर 52 लाख में क्यों निपटाया गया? और अधिकारी इस पूरे प्रकरण पर स्पष्ट जवाब देने से क्यों बच रहे थे? मऊगंज के प्रमुख सराफा व्यवसाय- बीएम ऑर्नामेंट्स और एस.एम. ज्वेलर्स, जिन्हें लोग 'मोहित टंच' के नाम से जानते हैं- इन फर्मों पर लंबे समय से बिना पक्के बिल और वाउचर के कारोबार करने की शिकायतें थीं। इसी कारण कर विभाग की टीम ने लगातार 72 घंटे तक दस्तावेजों की गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई ने पूरे सराफा बाजार पर सवालों के बादल खड़े कर दिए हैं।

अधिकारियों की भागदौड़, क्या सच से दूरी – जांच के तीसरे दिन रात 10-30 बजे जब जीएसटी अधिकारी परिसर से बाहर निकले, तो मीडिया ने उन्हें घेर लिया। पर उन्होंने एक पल में वापसी कर ली और दफ्तर की ओर भागे। रात 1 बजे दोबारा बाहर आने पर भी कैमरों से बचने की कोशिश की गई। यह रवैया पारदर्शिता को लेकर बड़ा संदेह पैदा करता है।

7 करोड़ की आबादी पर 12.84 करोड़ जाँच, साइंस हाउस का फर्जीवाड़ा खुद आँकड़ों से बेनकाब : विधायक जयवर्धन सिंह

● रायसेन के सरकारी स्कूलों में बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन : देवेंद्र पटेल ● मुफ्त लेपटॉप योजना में फर्जीवाड़ा और अपात्र छात्रों के नाम से पैसा हड़पना : ऋषि अग्रवाल ● एनएसयूआई की चेतावनी : 30 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, विधायक ऋषि अग्रवाल, विधायक देवेंद्र पटेल, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, और एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव उपस्थित रहे। विधायक जयवर्धन सिंह ने स्वास्थ्य विभाग में 943 करोड़ रुपये के कथित महाघोटाले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि विभाग ने विधानसभा में 68 हजार पन्नों का रिकॉर्ड प्रस्तुत किया, जिनके प्रारंभिक अध्ययन में यह सामने आया कि 7 करोड़ की आबादी पर 12.84 करोड़ जाँचें दिखाकर फर्जी बिल बनाए गए। एक ही व्यक्ति की दो कंपनियों को अलग-अलग नाम से टेंडर दिया गया। एक ही टेस्ट के अलग-अलग रेट लगाकर भारी लूट हुई। 0त्न जीएसटी वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर 18त्न जीएसटी वसूला गया। ब्लॉक अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में जमीन पर जाँच किए बिना फर्जी रिपोर्टें बनाई गईं। उन्होंने कहा, यह वही कंपनी है जिस पर ईडी और इनकम टैक्स की कार्रवाई हो चुकी है और मालिक जेल जा चुका है, फिर भी भाजपा सरकार ने जुलाई 2025 में इसे एक वर्ष का एक्सटेंशन दे दिया। स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सेवा को निजी कंपनियों के हवाले कर जनता के जीवन के साथ खिलवाड़

किया गया है। मैं मांग करता हूँ कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जाँच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। यह भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के लोगों की सेहत के साथ किया गया अपराध है।

विधायक देवेंद्र पटेल ने रायसेन जिले के सरकारी स्कूलों में बच्चों के अधिकारों के गंभीर उल्लंघन की जानकारी दी। छोटे बच्चों से झाड़ू लगवाना, साफ-सफाई कराना—बाल श्रम का उदाहरण। कई स्कूलों में हफ्ते में 3-4 दिन ताले लगे रहना, जिससे पढ़ाई बाधित। शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं आ रहे। आरटीई एक्ट 2009 और स्कूल शिक्षा विभाग, एससीईआरटी, डीआइओएस , मिड-डे मील योजना के नियमों का उल्लंघन। पटेल ने बताया कि उन्होंने पूरे प्रकरण को एनसीपीसीआर, एनएचआरसी, मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों तक लिखित शिकायत के माध्यम से पहुँचाया है। उन्होंने मांग की कि संबंधित शिक्षकों और अधिकारियों पर तत्काल निलंबन, सभी स्कूलों की जांच कमेटी गठित और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। विधायक ऋषि अग्रवाल ने सरकार की मुफ्त लैपटॉप योजना में बड़े घोटाले का खुलासा किया। गुना जिले के फतेहगढ़ संदीपनी विद्यालय में 34 छात्रों के नाम से फर्जी खाते बनाए गए और राशि अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

रणजीत टाइम्स

इन्दौर ट्रैफिक पुलिस का वृहद "यातायात जागरूकता अभियान"

आदित्य शर्मा

नवम्बर माह में 41 सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। ट्रैफिक की पाठशाला, ट्रैफिक प्रहरी अभियान, नुक्कड़ नाटक, डिजिटल रथ, पीए सिस्टम से लाखो लोग हुए जागरूक पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एवं अति. पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आरके सिंह तथा डीसीपी (जोन4/यातायात) श्री आनंद कलादगी के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा सुगम, सुरक्षित यातायात के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यातायात पुलिस द्वारा शहरवासियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु नवंबर माह में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस दौरान शहर के प्रमुख क्षेत्रों, संस्थानों, शैक्षणिक परिसरों और चौराहों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को सड़क सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

41 जागरूकता कार्यक्रम- 12,875 प्रत्यक्ष लाभार्थी नवंबर माह में यातायात पुलिस द्वारा कुल 41 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रत्यक्ष रूप से 12,875 नागरिकों ने हिस्सा लिया। इन कार्यक्रमों में ट्रैफिक नियमों की जानकारी, सुरक्षित ड्राइविंग, वाहन संचालन के दौरान सावधानियां, हेलमेट/सीट बेल्ट का महत्व, हेलमेट वितरण और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों को सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गय

ट्रैफिक प्रहरी अभियान – 2,000 नागरिक जुड़े

यातायात पुलिस के ट्रैफिक प्रहरी अभियान को नागरिकों का व्यापक सहयोग मिला। लगभग 2,000 नागरिकों ने इस अभियान से जुड़कर सक्रिय रूप से सड़क सुरक्षा का संदेश आगे बढ़ाया और चौराहो पर यातायात अनुशासन बनाए रखने में सहयोग देते हुए अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी दर्ज की। स्वंय पुलिस कमिश्नर महोदय द्वारा सड़क सुरक्षा में सराहनीय कार्य करने के लिए प्रहरियों को "उत्कृष्ट ट्रैफिक प्रहरी" सम्मान से प्रति मंगलवार सम्मानित किया जा रहा है।

डिजिटल रथ – वीडियो प्रेजेंटेशन से लाखो लोग हुए जागरूक

शहर में पिछले 20 दिनों से डिजिटल ट्रैफिक जागरूकता रथ भी संचालित किए जा रहे हैं। यह रथ बाईपास, रिंग रोड, मुख्य चौराहों तथा ब्लैक स्पॉट पॉइंट्स पर पहुंचकर वीडियो प्रेजेंटेशन, सड़क सुरक्षा गीत और एनिमेटेड शॉर्ट क्लिप्स, पम्पलेट के माध्यम से लाखो लोगों को जागरूक कर रहे हैं। हजारों नागरिकों ने इस पहल को सराहा और इसे सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम बताया।

ट्रैफिक की पाठशाला – स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता

यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ट्रैफिक की पाठशाला' कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, एवं शैक्षणिक संस्थानों में स्वंय पुलिस कमिश्नर महोदय, पुलिस उपायुक्त यातायात व वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की गंभीरता से अवगत कराया जा रहा है। उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, मोबाइल ड्राइविंग, पैदल यातायात नियमों सहित अनेक विषयों पर समझाइश दी जा रही है।

बाल ट्रैफिक प्रहरी – बचपन से ही सड़क सुरक्षा की शिक्षा

बाल ट्रैफिक प्रहरी अभियान के अंतर्गत नन्हे बच्चों को ट्रैफिक पार्क का भ्रमण करवाया गया, जहाँ उन्हें खेल-खेल में सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। इस प्रयास का उद्देश्य बचपन से ही सुरक्षित यातायात की आदत विकसित करना है।

पब्लिक एनाउंसमेन्ट सिस्टम - से जागरूकता

शहर में आईटीएमएस कैमरा से संचालित चौराहा पर लगे पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से समय-समय पर यातायात नियमों, दिशा निर्देशों के संबंध में संदेश प्रसारित किये जा रहे हैं ताकि रेड सिग्नल में खड़े हुए वाहन चालक उन संदेशों को सुने व सुरक्षा नियमों का पालन करें।

संगठनों/ संस्थाओं- के साथ बैठक

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर बस-ट्रक ट्रांसपोर्टर/ऑपरेटर एसोसिएशन के साथ बैठक, मैरिज गार्डन संचालको, मुख्य बाजारों के व्यापारी संगठनों के साथ बैठक, स्कूल बस संचालको, स्कूल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक, फ़ूड डिलेवरी कम्पनियों के मैनेजमेंट के साथ बैठक, विभिन्न विभागों जे साथ बैठक आयोजित कर सुगम, सुरक्षित यातायात के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

नागरिकों की सहभागिता – अभियान को मिला जनसमर्थन

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान में इंदौर के नागरिक उत्साहपूर्वक भागीदारी निभा रहे हैं। प्रेस/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बन्धु, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, संस्थाए, नागरिकों ने न केवल कार्यक्रमों में हिस्सा लिया बल्कि अपने परिवार, पड़ोस तथा समाज में भी सड़क सुरक्षा का संदेश प्रसारित करने में अहम भूमिका निभाई। इंदौर ट्रैफिक पुलिस शहर के प्रत्येक नागरिक से अपील करती है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। आपका सहयोग ही सुरक्षित इंदौर की दिशा में हमारा सबसे बड़ा कदम है।

डेली कॉलेज के नाम से भ्रामक पोस्ट करने वाला फर्जी सोशल मीडिया पेज आया संदेह के घेरे में, एडमिन ने की पुलिस में शिकायत

इंदौर। शहर के प्रतिष्ठित डेली कॉलेज को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं के प्रसार का मामला सामने आया है। कॉलेज प्रशासन के एडमिन हर्षवर्धन ने एमजी रोड थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर "Voice of Daly College" नाम से एक फर्जी पेज बनाया गया है, जिसके माध्यम से लगातार भ्रामक, अपुष्ट और संस्थान की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि इस पेज पर डेली कॉलेज के नाम का दुरुपयोग करते हुए ऐसी पोस्टें की जा रही हैं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। कई छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तक भी ये गलत जानकारियां पहुंच रही हैं, जिससे भ्रम की स्थिति बन रही है। प्रशासन का कहना है कि कॉलेज का इस पेज से किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है और इसमें पोस्ट किया जा रहा कंटेंट संस्थान की छवि को नुकसान पहुंचाने की नीयत से किया जा रहा प्रतीत होता है। हर्षवर्धन ने पुलिस को बताया कि उनकी जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि पेज किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसीलिए कॉलेज प्रशासन ने साइबर ठगी, संस्थान के नाम का दुरुपयोग और अफवाह फैलाने के आरोपों को आधार बनाकर कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि पेज पिछले कुछ समय से सक्रिय है और इसमें कई विवादित तथा भ्रामक पोस्ट की गई हैं। पुलिस साइबर सेल की मदद से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पेज किस आईपी एड्रेस या किस अकाउंट से संचालित हो रहा है। साथ ही पुलिस ने कुछ पोस्टों का बैकअप लेकर डिजिटल साक्ष्य भी एकत्रित किए हैं।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में पुष्टि होती है कि पेज जानबूझकर अफवाह फैलाने और संस्थान की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया गया है, तो आरोपितों पर आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी। डेली कॉलेज प्रशासन ने अभिभावकों और छात्रों से अपील की है कि वे संस्थान से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए केवल कॉलेज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल और वेबसाइट पर भरोसा करें।

थाना चंदननगर के सनसनीखेज प्रकरण में आरोपी को चौहरा आजीवन कारावास

इंदौर। थाना चंदननगर के चिन्हित एवं अत्यंत गंभीर प्रकरण में 2 वर्षीय बालिका को घर से उठाकर ले जाने, उसके साथ दुष्कृत्य करने और हत्या का प्रयास करने वाले ट्रक ड्रायवर को माननीय न्यायालय ने चौहरा आजीवन कारावास से दंडित किया है। प्रभारी उपनिदेशक अभियोजन राजेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि 05 दिसंबर 2025 को 21वें अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय, पॉक्सो अधिनियम) श्रीमती क्षिप्रा पटेल ने अपराध क्रमांक 889/2022, सत्र प्रकरण क्रमांक 10/2023 में आरोपी दिनेश (38 वर्ष), निवासी ग्राम करिदरा बाग, जिला धार को दोषी पाते हुए धारा 5एम/6, 5जे(iii)/6, 5(आर)/6 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 307 भादवि में चार बार आजीवन कारावास, धारा 366 भादवि में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 42,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्रीमती सुशीला राठौर एवं श्रीमती प्रीति अग्रवाल द्वारा पैरवी की गई।

माननीय न्यायालय ने पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत 3 लाख रुपए की राशि पीड़िता को प्रदान किए जाने की अनुशंसा भी की है। न्यायालय ने अपने निर्णय में टिप्पणी की कि आरोपी द्वारा 2 वर्षीय मासूम बालिका को घर से उठाकर बलात्कार एवं गंभीर चोटें पहुँचाना उसकी आपराधिक और कुंठित मानसिकता को दर्शाता है। वर्तमान परिस्थिति में महिलाएँ घर के बाहर ही नहीं बल्कि घर के भीतर भी असुरक्षित हैं, ऐसे में न्यूनतम दंड देना न्यायोचित नहीं होगा।

अभियोजन के अनुसार, पीड़िता के पिता निर्माणाधीन मकान में परिवार के साथ रहते थे, जहां 12 अक्टूबर 2022 की रात लगभग 1ः30 बजे उन्हें घर के चौखट की पटिया गिरने की आवाज सुनाई दी। कुछ देर बाद उनकी पत्नी ने बताया कि दो वर्षीय पुत्री बिस्तर पर नहीं है। तलाश के बाद भी बच्ची नहीं मिली, जिस पर आरक्षी केंद्र चंदननगर में धारा 363 भादवि के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई। अगले दिन सुबह डायल-100 के सैनिक अभिनव सेन ने बच्ची को रेती मंडी रोड पर झाड़ियों के पास घायल अवस्था में बरामद किया। विवेचना के दौरान मिले सीसीटीवी फुटेज में घटना स्थल के पास एक ट्रक को आते-जाते देखा गया, जिसकी पहचान पीड़िता के पिता ने आरोपी दिनेश के रूप में की। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया तथा डीएनए जांच भी कराई गई, जो धनात्मक पाई गई। संपूर्ण तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए कठोर दंडादेश पारित किया।

नियम विरुद्ध हूटर और बत्ती लगी निजी गाड़ियों के चलन पर हाई कोर्ट सख्त : परिवहन विभाग के उपायुक्त को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के आदेश जारी

इंदौर। शहर में नियम विरुद्ध हूटर और बत्ती लगी निजी गाड़ियों का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन परिवहन विभाग की लापरवाही के चलते यह अवैध गतिविधि थमने का नाम नहीं ले रही। इस मामले में दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को हाई कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए परिवहन विभाग के उपायुक्त को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के आदेश जारी किए हैं। दरअसल पूर्व पार्षद महेश गर्ग की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए प्रशासनिक न्यायाधीश विजयरकुमार शुक्ला और जस्टिस विनोदकुमार द्विवेदी की खंडपीठ कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव ने बताया की उन्होंने दलील दी कि शहर में बड़ी संख्या में निजी वाहन हूटर और बत्ती का अवैध उपयोग कर रहे हैं, लेकिन विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। हाई कोर्ट ने पहले ही ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ को निर्देश दिए थे कि ऐसे वाहन पकड़े जाएं, परंतु विभाग की ओर से संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। कोर्ट को सिर्फ दो-एक वाहन दिखाए गए जिनमें हूटर लगा था, जबकि शहर में दर्जनों वाहन बिना अनुमति के हूटर बजाते पाए जा रहे हैं। धार, झाबुआआलीराजपुर और शहडोल जैसे जिलों में भी ऐसे वाहन पकड़े गए हैं। हैरानी की बात यह है कि मंत्रियों या वीआईपी मूवमेंट के दौरान पीछे-पीछे चलने वाली कुछ निजी गाड़ियां भी हूटर बजाती नजर आती हैं। कोर्ट ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए परिवहन विभाग से विस्तृत कार्ययोजना तलब की है।

इंदौर के ट्रैफिक और लॉजिस्टिक्स में बड़े सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम, अगले सप्ताह आएगी गतिशक्ति–ADB की संयुक्त टीम

इंदौर। शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत बनाने की दिशा में इंदौर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। केंद्र सरकार की गति शक्ति योजना के अंतर्गत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान के पायलट प्रोजेक्ट में इंदौर को शामिल किए जाने के बाद अब गति शक्ति और एशियन डेवलपमेंट बैंक की संयुक्त टीम आगामी सप्ताह 12 या 13 तारीख को इंदौर का दौरा करेगी। यह टीम शहर के ट्रैफिक सिस्टम माल परिवहन, एंट्री&एग्जिट पॉइंट्स, वेयरहाउसिंग, ट्रक मूवमेंट, मार्केट और इंडस्ट्रियल एरिया सहित लॉजिस्टिक्स से जुड़े सभी पहलुओं का विस्तृत सर्वे करेगी, ताकि इंदौर के लिए एक दीर्घकालीन, आधुनिक और प्रभावी लॉजिस्टिक्स स्ट्रेटजी तैयार की जा सके।दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक सांसद शंकर लालवानी ने शुक्रवार को दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय में गति शक्ति कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सर्वे के दायरे, शहर में होने वाली वर्कशॉप, फील्ड स्टडी और तकनीकी सपोर्ट पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में एडीबी के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनके साथ प्रोजेक्ट की फाइनेंसिंग, इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिस और टेक्निकल सपोर्ट पर वार्ता हुई।

सांसद लालवानी ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से आग्रह किया था कि इंदौर को गति शक्ति योजना के सिटी लॉजिस्टिक्स पायलट में शामिल किया जाए। केंद्र सरकार ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए इंदौर को देश के चुनिंदा शहरों में स्थान दिया है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो स्तर पर होगा काम ट्रैफिक+लॉजिस्टिक्स

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इस सर्वे का उद्देश्य दो स्तरों पर सुधार करना हैशहर के भीतर ट्रैफिक और परिवहन को सुचारू बनाना शहरों के बीच कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करना इसके लागू होने से आमनागरिकों को ट्रैफिक में राहत मिलेगी, वहीं उद्योगव्यापार को भी बड़ी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर देश के अग्रणी शहरों में से एक है और यहां बेहतर लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर से औद्योगिक और व्यापारिक विकास को और गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के अनुरूप कदम

सांसद लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का लक्ष्य भारत की लॉजिस्टिक लागत कम करना है, ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सके। इंदौर जैसे शहर इस विज़न को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।लाभ ट्रैफिक में राहत, समय की बचत और विकास को गति सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान के लागू होने के बाद इंदौर में ट्रैफिक सिस्टम सुगम होगा यात्रा समय घटेगा लॉजिस्टिक एवं व्यापारिक लागत कम होगी इंटर-सिटीकनेक्टिविटी बेहतर होगी इंदौर एक मजबूत लॉजिस्टिक्स और ट्रेड हब के रूप में विकसित होगा बैठक में गति शक्ति के डायरेक्टर राकेश मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस आरक्षक त्रिलोक की बढ़ीं मुश्किलें

पत्नी ने अवैध संबंध, मारपीट, धमकी और जबरन गर्भपात के लगाए गंभीर आरोप; FIR दर्ज, जांच शुरू

इंदौर। आजाद नगर थाने में पदस्थ एक पुलिस आरक्षक त्रिलोक मंडवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी पत्नी पूजा ने आरक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए बाणगंगा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पूजा का आरोप है कि आरक्षक त्रिलोक एक अन्य महिला के साथ अवैध संबंध रखता है और इसका विरोध करने पर वह उनके साथ अक्सर मारपीट करता है और जान से मारने की धमकी देता है।दरअसल आरक्षक की पत्नी पीड़िता पूजा गुर्जर ने अपनी मां कृष्णा गुर्जर और बहन आरती गुर्जर के साथ बाणगंगा थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, आरक्षक त्रिलोक मंडवाल और उसकी महिला मित्र आज भी बाणगंगा थाने के सामने सर्विस रोड पर मिले। जब पूजा ने अपने पति को उस महिला से बात करने के लिए मना किया, तो त्रिलोक और उसकी मित्र ने मिलकर पूजा और उसके परिवार को मां-बहन की अश्लील गालियां दीं। इसके साथ ही आरक्षक त्रिलोक ने पूजा को हाथों और थप्पड़ों के साथ-साथ हेलमेट से भी बेरहमी से पीटा। जब पूजा की मां कृष्णा गुर्जर और बहन आरती गुर्जर बीच-बचाव के लिए आईं, तो त्रिलोक ने अपनी बहन आरती के सिर पर हेलमेट से मारा और मां कृष्णा गुर्जर के साथ झूमाझटकी की और कहा कि अगर तुमने मुझे बात करने से मना किया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा, आरक्षक त्रिलोक ने अपनी पत्नी को कथित तौर पर यह धमकी दी, जिसकी गवाह पूजा की बहन, मां और आसपास के लोग हैं। पीड़िता पूजा ने अपनी शिकायत में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि आरक्षक त्रिलोक ने उस महिला से संबंध होने के चलते उनका गर्भपात भी करवा दिया था। गौरतलब है कि पूजा और त्रिलोक की शादी को 11 साल हो चुके थे और उनका एक प्रेम-विवाह था, जिससे उनकी एक बेटी भी है। सब कुछ सामान्य था, लेकिन बाणगंगा थाने में पदस्थ रहते हुए त्रिलोक का पड़ोस में रहने वाली एक महिला से नाजायज रिश्ता शुरू हो गया। जिसमें आरक्षक त्रिलोक ने पहली पत्नी से बिना तलाक लिए ही क्षेत्र में एक फ्लैट किराए पर ले लिया और वहीं 'दूसरा घर' बनाकर दूसरी महिला के साथ खुलेआम रहने लगा।

एमपी की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल: मेहनत से पढ़ाई की, परीक्षा दी, और रिज़ल्ट में मिला शून्य! गाडरवारा पीजी कॉलेज में सैकड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर

भोपाल। शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर कटघरे में खड़ी है. नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में स्थित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज का मामला सामने आने के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है. पूरा मामला इतना चौंकाने वाला है कि इसे सुनकर हर कोई हैरान है. कॉलेज में प्रथम वर्ष के सैकड़ों छात्रों ने पूरे वर्ष मेहनत से पढ़ाई की, नियमित रूप से क्लासेस अटेंड कीं और पूरी तैयारी के साथ परीक्षा भी दी. लेकिन जब परीक्षा का परिणाम आया, तो ज्यादातर छात्रों के पैरों तले जमीन खिसक गई. कई छात्रों को रिज़ल्ट में शून्य अंक दिए गए, जबकि बड़ी संख्या में छात्रों को अनुपस्थित तक बता दिया गया, जबकि वे सभी परीक्षा देकर आए थे। इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद अब छात्र लगातार कॉलेज कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं शिकायतों की फाइलें जमा हो रही हैं लेकिन समाधान की उम्मीद अभी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही. और सबसे गंभीर बात यह है कि यह कोई नया मामला नहीं है. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से संबद्ध इस कॉलेज में ऐसी लापरवाही पहले भी सामने आ चुकी है. पिछले साल भी इसी तरह छात्रों के रिज़ल्ट में भारी गड़बड़ी हुई थी और तब भी छात्रों और अभिभावकों ने नाराज़गी जताई थी. इसके बावजूद न तो व्यवस्थाएं सुधरीं और न ही यूनिवर्सिटी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाया गया।

निहित स्वार्थों के लिए युवाओं को गुमराह करने के बयान

जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने भोपाल में एक कार्यक्रम में कहा कि आज मुसलमान रास्ते पर अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्हें कदम-कदम पर नफरतों का सामना करना पड़ता है। मदनी ने सुप्रीम कोर्ट के ऊपर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी देश में लॉ एंड ऑर्डर और क्राइम-फ्री समाज बनाना इंसाफ के बिना नामुमकिन है। मौलाना ने कहा कि दुख की बात है कि पिछले कुछ सालों में खासकर बाबरी मस्जिद और ट्रिपल तलाक जैसे मामलों में फैसलों के बाद यह आम सोच बन गई है कि कोर्ट सरकारी दबाव में काम कर रहे हैं। राजनीतिक दल और मदनी जैसे मौलाना मुसलमानों में अपनी पैठ बनाने और खुद को उनका सबसे बड़ा हितैषी साबित करने में कहीं न कहीं मुस्लिम युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

योगेंद्र योगी

गौरतलब है कि दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने खुलासा किया था कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े डॉक्टरों से जुड़े संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल ने 6 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में छह स्थानों पर विस्फोटों की योजना बनाई थी। यह वह दिन था जब 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया था। विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादियों ने बताया था कि यह तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि वे बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना चाहते थे। मौलाना मदनी का बयान ऐसे ही युवाओं को प्रेरित कर गुमराह करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाने वाले मौलाना मदनी भूल गए कि अदालतों ने ही आतंक के आरोपों से ढेरों बेगुनाहों को बरी किया है। वर्ष 2006 में 12 लोगों को मुंबई बम धमाकों के संबंध में मकोका कोर्ट ने दोषी ठहराया था, लेकिन 18 साल बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस द्वारा पेश किए गए 44,500 पन्नों के दस्तावेजों में से कोई भी दोष सिद्ध नहीं कर सका। इसी तरह गुजरात में 2001 में 127 मुस्लिम नागरिकों को एक प्रतिबंधित संगठन से संबंध के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जो 19 साल बाद बरी हुए थे। इसके अलावा ऐसे एकल मामलों की कमी नहीं है, जब अदालतों ने जांच एजेंसियों की कार्रवाई को अपर्याप्त मानते हुए आतंक के आरोपियों को बरी किया।

मुस्लिम हितों की बात करने वाले मौलाना मदनी भूल गए कि यह वही सुप्रीम कोर्ट है, जिसने केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड कानून को ज्यों का त्यों लागू करने पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगाई। विशेष रूप से कोर्ट ने वक्फ बनाने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का अनुयायी होने की शर्त और विवादित संपत्तियों के तुरंत वक्फ माने जाने पर रोक लगा दी। यह फैसला याचिकाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने और मामले में संतुलन बनाए रखने के लिए एक अंतरिम रोक है। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक का कानूनी हक दिलाने वाले सुप्रीम कोर्ट को मौलाना मदनी भूल गए। मनमाने तरीके से तलाक की शिकार महिलाओं को उनका हक दिलाने की पहल किसी भी मौलवी–मौलाना ने कभी नहीं की।

अकेले मौलाना मदनी ही नहीं राजनीतिक फायदे के लिए राजनीतिक दलों के नेता भी मुसलमानों के भले के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते रहे हैं। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने लाल किले के सामने हुई ब्लास्ट पर विवादित बयान

दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का गुस्सा अब लाल किले पर दिख रहा है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे जम्मू-कश्मीर के लोगों को नहीं दी जा सकती। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अपील की है कि वे इस गंभीर विषय पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से बात करें क्योंकि राज्य के बाहर रहने वाले कश्मीरी डरे हुए हैं। महबूबा का यह बयान कहीं न कहीं दिल्ली की वारदात को जायज ठहराने का प्रयास है। महबूबा सत्ता पाने के लिए पूर्व में भी ऐसे विवादित बयान देती रही हैं। महबूबा ने कहा था साल 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में 'डर और घुटन का माहौल' है। गिरफ्तारियां हो रही हैं और लोगों पर दबाव है

इससे पहले जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी ऐसा ही बयान दिया, जिससे कहीं न कहीं आतंकवादियों और उनके पनाहगारों के प्रति सहानुभूति छिपी हुई थी। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने दिल्ली में आत्मघाती हमलावर के परिवार के घर को गिराए जाने पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम सिर्फ गुस्सा बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा अगर आतंकवाद ऐसे कामों से रुक जाता, तो यह बहुत पहले ही खत्म हो गया होता। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद हाल ही में कम हुआ है, 'किसी का घर उड़ाने की जरूरत के बिना'। सुरक्षा तीन नियंत्रित विस्फोट करके दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के कोइल गांव में डॉ. उमर उन नबी के दो मंजिला घर को ध्वस्त कर दिया था।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने गांदरबल जिले में गैर-स्थानीय मजदूरों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा में एक्स पर अपने पोस्ट में आतंकी शब्द का जिक्र नहीं किया। इसी तरह पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने भी अपने पोस्ट में आतंकी शब्द से परहेज किया। इस आतंकी हमले में 7 की जान चली गई थी। विपक्षी दलों ने मुस्लिम आतंकी हो या गैंगस्टर, यही प्रयास किया है कि इनके साथ नरमी बरती जाए। जाहिर कारण है मुस्लिम वोट बैंक। विपक्षी दलों को लगता है कि इनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने से मुस्लिम वोट बैंक खिसक जाएगा।

सत्ता में आने के बाद पंजाब की मान सरकार ने दावा किया था कि तत्कालीन पंजाब सरकार ने गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को यूपी सरकार से बचाने के लिए 55 लाख रुपये से ज्यादा खर्च किए थे। मुख्तार को आरामतलब जिंदगी देने के लिए वो सारी व्यवस्थाएं की गई थीं जो कि एक हाईप्रोफाइल को मिलती हैं। इतना ही नहीं तत्कालीन पंजाब सरकार ने भरसक कोशिश की अंसारी को वापस उत्तर प्रदेश नहीं भेजा जाए। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। कोर्ट के आदेश से अंसारी की वापसी उत्तर प्रदेश हो सकी। इन उदाहरणों से जाहिर है कि राजनीतिक दल वोट बैंक बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, चाहे उनकी हरकतों से युवा गुमराह ही क्यों न हो जाएं। आश्चर्य की बात यह है कि मदनी जैसे मौलाना हों या फिर राजनीतिक दल यह भूल गए कि ऐसी तमाम हरकतों को देश के मतदाता कई बार नकार चुके हैं।

कोलेजन प्रोडक्शन कम होने से आती हैं कई समस्यायें

हम सभी की यह चाहत होती है कि हमारी त्वचा, बाल और खूबसूरती लंबे समय तक बरकरार रहे पर कई बार हम ऐसी कुछ गलतियां कर देते हैं जिनकी वजह से हमारा कोलेजन प्रोडक्शन कम हो जाता है और चेहरे पर बुढ़ापे की निशानी समय से पहले ही दिखाई देने लगती है

हमारे शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन सही मात्रा में हो यह काफी ज्यादा जरूरी होता है. कोलेजन की अगर बात करें तो यह हमारे स्किन से लेकर बालों और हड्डियों तक के लिए काफी जरूरी होता है. जब शरीर में इसका प्रोडक्शन होना कम होता है तो ऐसे में हमें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है. तो चलिए अब उन आदतों के बारे में जानते हैं जिनकी वजह से हमारे शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन कम हो जाता है.

हद से ज्यादा मीठी चीजों का सेवन

अगर आप नहीं चाहते हैं कि आपके शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन कम हो तो ऐसे में आपको मीठी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए! मीठी चीजों के सेवन से ग्लाइकेशन का प्रोसेस तेज हो जाता है जिस वजह से कोलेजन का प्रोडक्शन कम होता है. लंबे समय तक ऐसा होते रहने की वजह से चेहरे पर झुर्रियां दिखाई देने लगती है और साथ ही अन्य समस्याएं भी होने लगती है. अगर आप मीठी चीजों का सेवन करना चाहते हैं तो आपको शहद या फिर गुड़ का सेवन करना चाहिए।

अगर आप सिगरेट पीते हैं तो आपको आज से ही इसे बंद कर देना चाहिए। सिगरेट में निकोटिन होता है जो शरीर में ब्लड फ्लो में रुकावट डालता है. ऐसा होने की वजह से आपकी स्किन तक ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स नहीं पहुंच पाते हैं।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न करना

मौसम चाहे कोई सा भी हो आपको घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए. सनस्क्रीन के इस्तेमाल से हमारी त्वचा सूर्य से निकलने वाली हानिकारक युवी किरणों से बची हुई रहती है. जब आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो ऐसे में कोलेजन टूटने लगता है जिससे आपकी त्वचा पर फाइन लाइन्स, झुर्रियां और पिगमेंटेशन दिखाई देने लगती है.

सही से नींद न लेना

अगर आप सही तरीके से नहीं सोते हैं या फिर आपके शरीर को जितनी जरूरत है उतनी नींद नहीं लेते हैं तो ऐसे में भी कोलेजन का प्रोडक्शन शरीर में कम हो सकता है. जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो ऐसे में आपका शरीर खुद को सही तरीके से रिपेयर नहीं कर पाता है. यह भी एक कारण है कि आपकी त्वचा पर समय से पहले ही एजिंग के लक्षण दिखाई देने लगते हैं.

हमेशा स्ट्रेस में रहना

अगर आपको कभी-कभार स्ट्रेस होता है तो यह आम बात है लेकिन जब आप लंबे समय तक स्ट्रेस में रहते हैं तो इससे आपके शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ जाता है. यह भी एक कारण है कोलेजन के टूटने का. स्ट्रेस की वजह से आपकी त्वचा डल पड़ जाती है और अनहेल्दी लगने लगती है।

मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं अन्य बीमारियां

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत

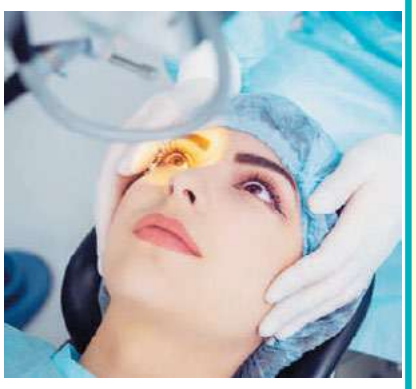

में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

सुबह-सुबह ब्लैक कॉफी के फायदे और नुकसान

सुबह-सुबह एक गरमागरम ब्लैक कॉफी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद मानी जाती है। यह आपके एनर्जी लेवल को बढ़ाती है, मेंटल क्लैरिटी में सुधार करती है और वजन घटाने में भी मददगार हो सकती है। इसके अलावा, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं।

बढ़ता है मेटाबॉलिज्म : ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया तेज होती है।

एनर्जी और फोकस में सुधार : यह आपको इंस्टेंट एनर्जी देती है और काम पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है, खासकर सुबह के समय।

पाचन में सुधार : ब्लैक कॉफी डाइजेस्टिव एंजाइम्स के प्रोडक्शन को एक्टिव कर सकती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है। हालांकि, आमतौर पर एक्सपर्ट इसे खाली पेट पीने से बचने की सलाह देते हैं, क्योंकि एसिडिटी और पेट की जलन: कॉफी प्रकृति में एसिडिक होती है। खाली पेट पीने पर यह पेट में एसिड के प्रोडक्शन को बढ़ा सकती है, जिससे एसिडिटी, सीने में जलन और पेट में असहजता महसूस हो सकती है। जिन लोगों को पहले से ही गैस या एसिडिटी की समस्या है, उनके लिए यह और भी नुकसानदायक हो सकती है।

कॉर्टिसोल लेवल में बढ़ोकरी : सुबह के समय हमारा शरीर स्वाभाविक रूप से कॉर्टिसोल का प्रोडक्शन करता है। ऐसे में, खाली पेट कॉफी पीने से कॉर्टिसोल लेवल और बढ़ सकता है, जिससे तनाव और चिंता महसूस हो सकती है। पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा: खाली पेट कॉफी पीने से कुछ जरूरी पोषक तत्वों, जैसे कि विटामिन बी12 और कैल्शियम के अवशोषण में बाधा आ सकती है।

पाचन पर क्या पड़ता है असर?

जब आप खाली पेट ब्लैक कॉफी पीते हैं, तो आपका पेट खाली होता है और सीधे कैफीन और एसिड के संपर्क में आता है। इससे गैस्ट्रिक एसिड का प्रोडक्शन बढ़ जाता है, जो कुछ लोगों में गट इशूज पैदा कर सकता है। इससे अपच, गैस, पेट फूलना और यहां तक कि दस्त जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर आपको सुबह कॉफी पीने की आदत है, तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है:

कुछ खाने के बाद पिएं

सबसे अच्छा तरीका है कि आप खाली पेट कॉफी पीने से बचें। सुबह हल्का नाश्ता जैसे बिस्किट, फल या टोस्ट खाने के बाद कॉफी पिएं। सीमित मात्रा में: अगर आपको खाली पेट कॉफी पीने की आदत है और इससे कोई परेशानी नहीं होती, तो भी इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अपने शरीर की सुनें: हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है। अगर आपको खाली पेट कॉफी पीने के बाद कोई परेशानी महसूस होती है (जैसे एसिडिटी, बेचैनी), तो इसे तुरंत बंद कर दें और डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें। पानी पिएं: कॉफी पीने से पहले एक गिलास पानी पीना भी फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह पेट की परत को थोड़ा सुरक्षित रखने में मदद करता है।

कड़कडाती ठंड में त्वचा का इस तरह से रखें ख्याल, गुलाब सा दमकता रहेगा चेहरा

सर्दियों में स्किन ज्यादा ड्राई हो जाती है, जिसकी वजह से इसके ज्यादा केयर की जरुरत होती है. वैसे तो कई तरीकों से लोग अपनी त्वचा और चेहरे का ख्याल रखते है, ताकि सर्दी के दिनों में उनका चेहरा और स्किन चमकदार बनी रहे, लेकिन आज हम आपको एक ऐसा तरीका बतायेंगे, जिससे आप सर्दियों के दिनों में आप अपनी स्किन का अच्छे से ख्याल रख सकते है।किशमिश एक तरफ जहां आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है, तो वहीं ये स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होता है.आपको बताये कि किशमिश में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, पोटैशियम, विटीमिन ई, आयरन, विटामिन बी6 और कॉपर पाया जाता है.वहीं इसमे पाये जानेवाला एंटीऑक्सीडेंट्स का गुण शरीर के स्वास्थ्य के साथ स्किन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है।

डैमेज स्किन भी होती है रिपेयर

यदि आप भी सर्दियों में स्किन को ब्राइट रखना चाहते और डैमेज होने से बचाना चाहते है, आपको अपने स्किन केयर रुटीन में जरुर शामिल करना चाहिए, क्योंकि किशमिश में पाये जानेवाले पोषक तत्वर स्किन को ब्राइट बनाने में हेल्प करते हैं और डैमेज चेहरे की चमक को दुबारा वापस लाते है, तो चलिए आपको बताते है कि किशमिश का पानी कैसे आपके स्किन के लिए रामबाण ईलाज है। इस तरीके से किशमिश का पानी करें तैयार किशमिश के पानी के इस्तेमाल करने से पहले आपको इस पानी को कैसे तैयार किया जाता है, ये जानना जरुरी है, तो आपको बताये कि इसके बनाने के लिए आपको सबसे पहले रात में एक गिलास पानी में आधा कप फ्रेश किशमिश के दाने लें, और डुबाकर फुलने के लिए छोड़ दें,और सुबह पानी से किशमिश को छान लें, आपका किशमिश का पानी इस्तेमाल के लिए तैयार है। अब इस तैयार किशमिश वॉटर को कैसे इस्तेमाल करना है ये जानना बहुत जरुरी है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा लेना है, फिर इसमे एक चम्म,च हनी मिलाना है, और इसको किशमिश के पानी से एक पेस्ट बना लेना है।

इतिहास दोहराने के करीब विराट कोहली

- 7 साल पहले किया था ये करिश्मा, अब सिर्फ 1 कदम दूर

दौसा की तनिका शर्मा बनी अंडर-19 विमेन चैंपियनशिप में टीम राजस्थान की उप-कप्तान

दौसा, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-19 विमेन चैंपियनशिप के लिए दौसा की तनिका शर्मा को टीम राजस्थान का उप-कप्तान बनाया गया है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि तनिका शर्मा का चयन राजस्थान टीम में हुआ है और उनके उप-कप्तान बनने से जिले के लिए यह गौरव की बात है। उनके चयन पर डीसीए के पदाधिकारी शोभना गुर्जर, शिवचरण शर्मा, रतन चंद एडवोकेट, विनय जैन, हीरा लाल सैन ने तनिका को बधाई और शुभकामनाएं दी।

बीसीसीआई द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम गुरुवार को इंदौर रवाना हुई, जहां टीम को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की टीम से 4 प्रैक्टिस मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम

विराट कोहली फिर करेंगे ये करिश्मा?

विराट कोहली ने इस सीरीज की शुरुआत 135 रनों की एक शानदार पारी के साथ की थी, जिसने टीम इंडिया को जीत भी दिलाई थी. वहीं, दूसरे मुकाबले में विराट ने 102 रनों की शतकीय पारी खेली, हालांकि इस मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा. दो लगातार शतक लगाकर वे अब उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां एक और शतक उन्हें क्रिकेट इतिहास के खास पन्नों में अलग जगह देगा.

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा. दोनों ही टीमों के लिए ये मैच करो या मरो जैसा होगा, क्योंकि सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. इस मैच में सभी की नजर विराट कोहली पर रहने वाली है.

किंग कोहली एक बार फिर पुराने रंग में लौट आए हैं. लगातार दो मैचों में शतक जड़कर विराट कोहली ने साबित कर दिया है कि अगर फॉर्म में हों तो दुनिया का कोई भी गेंदबाजी आक्रमण उनके सामने बौना साबित होता है. सीरीज के आखिरी मैच में उनके पास 7 साल पुराना एक बड़ा कारनामा दोहराने का भी मौका है.

उनके पास वनडे क्रिकेट में शतकों की हैट्रिक लगाने का बड़ा मौका है. विराट कोहली ने अपने पूरे वनडे करियर में अब तक सिर्फ एक बार लगातार तीन शतक लगाए हैं. ये कारनामा उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था. अगर वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच में शतक ठोक देते हैं, तो यह उनके करियर में शतकों की दूसरी हैट्रिक होगी.

वनडे क्रिकेट के इतिहास में लगातार तीन शतकों की हैट्रिक लगाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, और इसे दो बार करना तो और भी खास. अभी तक सिर्फ पाकिस्तान के बाबर आजम ही यह कारनामा दो बार कर पाए हैं, उन्होंने पहली बार 2016 में और दूसरी बार 2022 में ऐसा किया था. अगर विराट यह कर दिखाते हैं, तो वे बाबर के साथ इस खास क्लब के दूसरे सदस्य बन जाएंगे.

विशाखापत्तनम से खास कनेक्शन

खास बात ये भी है कि विराट कोहली न जब साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ शतकों की हैट्रिक लगाई थी तो उसमें से एक शतक विशाखापत्तनम में ही जड़ा था. उन्होंने विशाखापत्तनम में खेले गए मैच में नाबाद 157 रन ठोके थे. अब 7 साल बाद इसी मैदान पर विराट के पास इतिहास दोहराने का मौका है.

भारत का नया चेस स्टार: 3 साल 7 महीने के सरवज्ञ का रिकॉर्ड, बने दुनिया के सबसे कम उम्र के रैपिड रेटेड खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरवज्ञ की यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत में नई पीढ़ी शतरंज की दुनिया में क्रांति ला रही है। यदि यह गति बनी रही तो भविष्य में सरवज्ञ बड़े टूर्नामेंट्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आ सकते हैं।

जहां तीन साल के बच्चे खिलौनों में

फर्क नहीं कर पाते, वहीं मध्य प्रदेश के छोटे से शहर सागर में रहने वाले सरवज्ञ सिंह कुशवाहा ने दुनिया को हैरान कर दिया है। मात्र तीन साल सात महीने और 13 दिन की उम्र में वे दुनिया के सबसे कम उम्र के फीडे रैपिड रेटेड खिलाड़ी बन गए हैं। (अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ) की दिसंबर रेटिंग सूची में सरवज्ञ को 1572 की रैपिड रेटिंग मिली है, जो उनके आयु वर्ग के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं।

इससे पहले यह रिकॉर्ड अनिश सरकार के नाम था, जिन्होंने पिछले साल तीन साल 10 महीने की उम्र में फीडे रेटिंग हासिल की थी। लेकिन सरवज्ञ ने उससे भी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर इतिहास लिख दिया।

छोटी कंपनी डीपीआईएल को मिला अडानी समूह से बड़ा ऑर्डर

प्रोजेक्ट जनवरी 2026 से दिसंबर 2026 के बीच पूरा किया जाना है

नई दिल्ली, एजेंसी।
छोटे कैप वाली मल्टीबैगर कंपनी डायमंड पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर ने गुरुवार मार्केट बंद होने के बाद बड़े ऑर्डर की घोषणा की, जिसके चलते शुक्रवार, 5 दिसंबर के सत्र में शेयरों में निवेशकों की नजर बनी रह सकती है। कंपनी को अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से 33केवी एचवी केबल्स (2,126 किमी) और 3.3केवी सोलर एमवी केबल्स (3,539 किमी) सप्लाई करने का ऑर्डर मिला है, जिसकी कुल कीमत 747.64 करोड़ है। यह प्रोजेक्ट जनवरी 2026 से दिसंबर 2026 के बीच पूरा किया जाना है। कंपनी ने यह भी साफ किया कि यह ऑर्डर किसी भी तरह की

रिलेटेड-पार्टी ट्रांजैक्शन के तहत नहीं आता। आज गुरुवार को कंपनी के शेयर 143 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं।

यह डीपीआईएल का एक महीने में दूसरा बड़ा ऑर्डर है। इससे पहले 24 नवंबर को कंपनी ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस से 276 करोड़ का ऑर्डर हासिल किया था, जिसके तहत खवड़ा प्रोजेक्ट के लिए 7,668 किमी एएल-59 ज़ेबरा कंडक्टर सप्लाई किए जाएंगे। करीब 7,538 करोड़ के मार्केट कैप वाली यह स्मॉल-कैप कंपनी एलवी, एमवी और इएचवी केबल्स तथा कंडक्टर्स की प्रमुख निर्माता है। पावर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन और इंडस्ट्रियल सेक्टर में इसके उत्पादों की अहम भूमिका है। कंपनी को एनसीएलटी प्रोसेस के जरिए जीएसईसी-मोनार्क ग्रुप ने अधिग्रहित किया था और इसकी 110 एकड़ में फैली वडोदरा प्लांट में चरणबद्ध तरीके से प्रोडक्शन फिर शुरू किया जा रहा है।

कंपनी ने क्या कहा

कंपनी का कहना है कि वह सरकारी डिस्कॉम, प्राइवेट डिस्कॉम, इपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स, इंडस्ट्रियल क्लाइंट्स और एक्सपोर्ट मार्केट को लगातार सप्लाई करती है। एफवाय24 में डीपीआईएल को खास तौर पर सोलर और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में बड़ी ग्रोथ संभावनाएं दिखाई दीं, क्योंकि देश में नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्फ्रास्ट्रक्चर की मांग तेजी से बढ़ रही है। मार्च 2025 में कंपनी ने अपने पहले रॉड मिल में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू किया था, जिसकी क्षमता 80 मीट्रिक टन प्रति दिन है। सहायक कंपनी डीआईसीएबीएस नेक्स्टजेन स्पेशल अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के तहत आती है।

चांदी के 17 लाख उत्पादों पर हॉलमार्किंग

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉलमार्किंग शुरू होने के तीन महीनों के भीतर चांदी के 17.35 लाख से अधिक गहने विशिष्ट पहचान संख्या एचयूआईडी के साथ जारी किए जा चुके हैं। हालांकि चांदी की हॉलमार्किंग योजना एक सितंबर, 2025 से स्वैच्छिक बनी हुई है, लेकिन हॉलमार्क वाले किसी भी चांदी सामग्री के लिए विशिष्ट पहचान एचयूआईडी की मार्किंग ज़रूरी कर दी गई है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, चांदी के गहनों में एचयूआईडी हॉलमार्किंग शुद्धता आश्वासन को मज़बूत करने और नकली हॉलमार्किंग के चलन को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एक सितंबर, 2025 से सभी हॉलमार्क वाली चांदी के आभूषण और सामग्रियों के लिए एचयूआईडी ज़रूरी कर दिया है। यह उपभोक्ता संरक्षण और नकली हॉलमार्किंग को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पुलिस थाना राजेन्द्र नगर, पुलिस उपायुक्त जोन 1 इंदौर

स्कीम नं. 103 में बुजुर्ग महिला से चेन लूट की वारदात का पर्दाफाश तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार- सोने की चेन, हथियार एवं स्कूटी बरामद

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। दिनांक 24.11.2025 को थाना राजेन्द्रनगर क्षेत्रांतर्गत स्कीम क्रमांक 103 स्थित मंगल बेल्ट पानी की टंकी के पास पूजा करने मंदिर जा रही 65 वर्षीय महिला कंचन पाटीदार को तीन अज्ञात बदमाशों ने नीले रंग की स्कूटी क्रमांक MP09AY3778 से आकर धक्का देकर गिरा दिया तथा गले में पहनी सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। इस घटना में पीड़िता को चोट भी आई। चोरी गई चेन का वजन लगभग 23 ग्राम एवं मूल्य लगभग 2,50,000/- है। घटना पर तत्परता से अपराध क्रमांक 872/2025 धारा 304, 307 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विस्तृत विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस की तत्पर कार्यवाही-अज्ञात आरोपियों की पहचान एवं तलाश हेतु 200-250 सीसीटीवी कैमरों का गहन विश्लेषण, मुखबिर सूचना के आधार पर नीली स्कूटी की लोकेशन राजेन्द्रनगर दत्त मंदिर के पास मिली, पुलिस टीम के पहुंचते ही आरोपी स्कूटी सहित भागने लगे, पीछा कर डी-मार्ट चौराहा, रेती मंडी के अंधेरे क्षेत्र में दबोचा, भागने के दौरान स्कूटी स्लिप होने पर तीनों आरोपी घायल हुए और पकड़े गए।

गिरफ्तार आरोपी-(1) प्रेम पिता घनश्याम शिंदे उम्र 18 वर्ष, निवासी मार्तण्ड नगर-(2) आकाश पिता तहसीलदार परिहार उम्र 19 वर्ष, निवासी मार्तण्ड नगर-(3) रियान पिता रशीद शाह उम्र 18 वर्ष, निवासी नायता मुंडला, पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल करते हुए बताया कि घटना के दौरान उनके पास एक चाकू भी था। आरोपियों की निशानदेही पर स्कूटी की डिग्गी में छुपाई गई लूटी गई सोने की चेन एवं चाकू बरामद कर लिया गया है। आरोपियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा उनसे अन्य आपराधिक घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ जारी है।

पुलिस टीम का सराहनीय कार्य

थाना प्रभारी-नीरज बिरथरे, उप निरीक्षक-विकास शर्मा, राजेश सोहानी, प्रआर-शशांक दुबे, आरक्षक-पंकज चौहान, रामबीर, गौरव गुर्जर इनकी सूझबूझ, त्वरित कार्रवाई एवं टीम वर्क से चेन लूट की गंभीर वारदात का सफल पर्दाफाश कर आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ की गई है।

जो सुप्त शक्तियां व ज्ञान हमें जन्म से प्राप्त है उसी की जागृति है सहजयोग

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की भूमिका है, जैविक व अजैविक। जो आदिशक्ति के स्वरूप श्री लक्ष्मी व श्री सरस्वती द्वारा संचालित हैं। लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं तो सरस्वती श्री ब्रह्मा जी की और ब्रह्मा का जन्म विष्णु की नाभि से माना जाता है। लक्ष्मी तत्व पदार्थों के रूप में स्पंदित होता है तो सरस्वती तत्व नाद के रूप में। पदार्थ व शब्द दोनों ही मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा हैं परंतु दोनों को ही आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली ने माया के आवरण में ढका हुआ होता है। पदार्थों का आकर्षण मनुष्य को स्थूल से ऊपर नहीं उठने देता। वहीं शब्दों की माया हमें किसी का प्रिय किसी, का विरोधी सफल या असफल बना देती है। शब्द तीन प्रकार के होते हैं - पहले जिनमें विभिन्न अक्षर प्रमुख होते हैं जो हमारे द्वारा बोले जाते हैं और दूसरे के द्वारा सुने जाते हैं, दूसरे जिन्हें सिर्फ हम सुन पाते हैं और तीसरे हैं मानस जहां वर्ण या क्षर प्रमुख होते हैं। हम अधिकांशतः दूसरी प्रकार के शब्दों के द्वारा छले जाते हैं, इसमें हमारे विचार, योजनाएं, स्मृतियां, लिखना, पढ़ना, आदि शामिल हैं।

हमारे मन में पदार्थों को देखकर जो इच्छाएं जागृत होती हैं वही शब्दों के रूप में प्रकट होती हैं। ज्ञान शब्द नहीं होते, शास्त्र कहते हैं ज्ञान पैदा नहीं होता और ना ही नष्ट किया जा सकता है ज्ञान जन्म से ही हमारे साथ होता है, जैसे-जैसे आत्मा से हमारी दूरी कम होती जाती है, आत्मा अनावरित होती जाती है वैसे वैसे आप को ज्ञान की प्राप्ति होती जाती है। और तब मानस शब्दों की अनुभूति हमें सूक्ष्म शरीर में विभिन्न चक्रों पर वर्णों के रूप में होती है। और ज्ञान की इस अवस्था में वर्णों का यह स्पंदन ब्रह्मांड के नाद से संयुक्त हो जाता है और तब संपूर्ण ब्रह्मांड का रहस्य स्वयं अंतस में प्रकट होने लगता है । जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता उसके अन्य सांसारिक ज्ञान भी भ्रांतिपूर्ण व अपूर्ण होते हैं। हम सदैव दूसरों के अनुभवों को ज्ञान के रूप में ग्रहण करते रहते हैं परंतु वास्तव में अविष्कारी या वैज्ञानिक वही होता है जो स्वयं का ज्ञान व अनुभव अर्जित करता है। पुस्तकें मार्गदर्शक हो सकती हैं ध्येय नहीं। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग आत्मा के आवरणों से परे ब्रह्मानुभूति का विज्ञान है।

जो अंधविश्वासों, कर्मकाण्ड व आडंबरों से परे है। सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है। सहज योग में हम स्पंदनों की भाषा को समझने लगते हैं जो अधिक शक्तिशाली, तीव्रगामी व वास्तविक होती है। आप अपने किसी दूर बैठे हुए व्यक्ति के बारे में सिर्फ स्पंदनों से जान सकते हैं दूसरों की परेशानियों को ये स्पंदन ठीक कर सकते हैं विभिन्न रोगों का उपचार कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है। सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

कनाडिया रोड स्थित केबीसी हेल्थ सेंटर पर विशाल एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। सुखीबाई दौलतराम छावछरिया पारमार्थिक ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी बालकिशन छावछरिया ने बताया कि उक्त ट्रस्ट के द्वारा कनाडिया रोड मौर्या हिल्स, आईपीएस स्कूल केंपस मे संचालित केबीसी हेल्थ सेंटर पर आज विशाल और निशुल्क स्वास्थ्य शिवीर का आयोजन किया गया जिसमें इंदौर शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 400 रोगियों का निशुल्क प्रशिक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया गया। प्रबंधक एस एन गोयल समाधान ने जानकारी दी की उक्त शिविर में फिजियोथेरेपी के 165 रोगियों की फिजियोथैरेपी डॉ संगीता कौशल व डॉक्टर सुनीता उचवारे एवं उनकी टीम द्वारा की गई तथा अधीक्षक डॉक्टर आरके गौड ने जनरल रोगियों , डॉ अंकिता अग्रवाल व डॉक्टर नीलम बागड़ीक्षने दन्त रोगीयो, डॉ अदिति गोयल स्त्री रोग विशेषज्ञ, इन सभी ने अपने से संबंधित रोगियों का परीक्षण किया । ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद अग्रवाल एवं सचिव कुलभूषण मित्तल ने कहा कि उक्त केंद्र पर इस प्रकार के कैंप आगे भी लगाए जाते रहेंगे।

केबीसी हेल्थ सेंटर के अधीक्षक डॉ.आरके गौड ने बताया कि उक्त सेंटर परप्रतिदिनसुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक तथा शाम को 4:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक दंत रोग विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञ,, सामान्य रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथैरेपिस्ट द्वारा संबंधित रोगियों का इलाज निशुल्क किया जाता है तथा जनता उक्त स्वास्थ्य सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेवे।

पलूशन पर गुड न्यूज जल्द लेकिन अगले चार दिन मुश्किल

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण आम जनमानस ही नहीं रेखा गुप्ता सरकार के लिए भी सिरदर्द बन गया है। वातावरण में मानक से ढाई गुना ज्यादा प्रदूषण के कण अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में अगले तीन से चार दिन राजधानी में परेशानी बढ़ने के आसार हैं। इस बीच पलूशन पर गुड न्यूज भी आई है। रेखा गुप्ता सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए राजधानी में मिस्ट स्प्रे सिस्टम शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार प्रदूषण के खिलाफ युद्धस्तर पर कार्य कर रही है, जिसमें जनता की सक्रिय भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि लंबे समय से उठ रही वाटर स्प्रिंकलर्स की मांग को ध्यान में रखते हुए कई प्रावधान किए गए हैं और एनडीएमसी क्षेत्र में मिस्ट स्प्रे सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अब दिल्ली की सभी सड़कों के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदूषण पैदा करने वाले किसी भी स्रोत या पहलू का प्रभावी समाधान निकालना है। उन्होंने मिस्ट स्प्रे सिस्टम का निरीक्षण भी किया।

सोनिया गांधी बोलीं- हमारे जैसे बुजुर्गों की परेशानी बढ़ीत्र कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे सभी बुजर्गों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ करे। इस बीच, इंडिया गठबंधन के घटकदलों के सांसदों ने मास्क पहनकर और मौसम का मजा लीजिए का बैनर लेकर संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

सोनिया गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि दमा से पीड़ित छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं। खुद उनकी तरह बहुत सारे बुजुर्ग है, जिन्हें इस प्रदूषण की वजह से खासी मुश्किल हो रही है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी वायु प्रदूषण के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किस मौसम का मजा लें। बाहर देखें कि क्या स्थिति बनी हुई है।

प्राइवेट सेंटरों में मरीजों की सस्ती दरों में सीटी स्कैन और एमआरआई जांच

● एम्स की बड़ी तैयारी ● दो साल का होगा अनुबंध

नई दिल्ली, एजेंसी।
एम्स में आए मरीजों को किफायती दरों पर सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। एम्स प्रबंधन इसके लिए अस्पताल के दस किलोमीटर के दायरे में स्थित रेडियोलॉजी जांच केंद्रों को पैनल में शामिल करेगा।

सार्वजनिक निजी भागेदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत मरीजों को सीजीएचएस की दर या एम्स द्वारा निर्धारित शुल्क पर यह सुविधा दी जाएगी। इससे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्हें निजी जांच केंद्रों में सीटी स्कैन और एमआरआई जांच के लिए मोटी रकम खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एम्स ने पैनल में शामिल करने के लिए निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों के संचालकों से आवेदन मांगे हैं।

निजी रेडियो डायग्नोस्टिक केंद्रों के पैनल में शामिल होने के बाद एम्स की ओपीडी से मरीज सीटी स्कैन व एमआरआई जांच के लिए वहां भेजे जा सकेंगे।

खास बात यह है कि मरीज निजी डायग्नोस्टिक लैब को भुगतान नहीं करेंगे। वे एम्स में शुल्क जमा करेंगे। निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों को एम्स हर महीने भुगतान करेगा। डायग्नोस्टिक लैब का एनएबीएच (नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर प्रोफाइडर्स) से मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य है।

एम्स के अनुसार, निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों से दो वर्ष का अनुबंध होगा, जिसे बेहतर कार्य के आधार पर बढ़ाया जा सकेगा। शुरुआत में छह माह पायलट परियोजना के रूप में मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। डायग्नोस्टिक केंद्रों को जांच में एम्स द्वारा निर्धारित मानक व प्रोटाकॉल का पालन करना होगा।

वेटिंग की समस्या नहीं हुई दूर

एम्स प्रशासन ने सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की वेटिंग दूर करने के लिए जांच उपकरणों के संचालन अवधि बढ़ाने व नई मशीनें खरीदने की पहल भी की थी। अक्तूबर 2022 से 24 घंटे लैब संचालन का प्रावधान किया गया। फिर भी जांच की वेटिंग कम करने में खास सफलता नहीं मिली।

हर दिन पहुंचते हैं 15 हजार मरीज

एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन 15 हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से सैकड़ों मरीजों को रेडियोलॉजी जांच की जरूरत होती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एम्स में नौ एमआरआई मशीनें और दस सीटी स्कैन मशीनें उपलब्ध हैं। फिर भी एमआरआई के लिए तीन वर्ष तक और सीटी स्कैन के लिए कई माह तक की वेटिंग है।

तांत्रिक है 4 बच्चे मारने वाली पूनम?

● सीरियल किलर केस में परिवार को मिला एकादशी एंगल

नई दिल्ली, एजेंसी।
हरियाणा की पूनम, जिसने एक-एक कर 4 मासूम बच्चों की जान ले ली। इनमें एक बच्चा उसका खुद का भी है। पुलिस ने एक ओर जहां पूनम को साइकोपैथ सीरियल किलर करार दिया है। वहीं, परिवार ने तांत्रिक क्रियाओं की आशंका जाहिर की है। हालांकि, पुलिस ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। फिलहाल, वह सिवाह जेल में बंद है।

एकादशी का एंगल क्या

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों में से एक के परिवार ने बताया है कि उनकी फैमिली से जुड़ी तीनों हत्याएं एकादशी पर हुई हैं। 6 साल की जिया को पूनम ने अगस्त में कथित तौर पर डुबोकर मार डाला था। उसके चाचा सुरेंद्र बताते हैं कि उन्हें पूनम पर तत्काल ही शक हो गया था, लेकिन सामाजिक दबाव के चलते वह पुलिस के पास नहीं गए थे।

उन्होंने कहा कि कई घटनाओं के बाद ही एक पैटर्न सामने आया था। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, तीन हत्याएं एकादशी पर हुई और सभी एक ही तरीके से की गईं। यह किसी तांत्रिक गतिविधि की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि पूनम रोने का नाटक करती थी और आरोप लगाए जाने पर आत्महत्या की धमकी दी थी। उन्होंने पूनम के लिए मौत की सजा की मांग की है और कहा है कि जेल में बंद रखने से वह पेरोल पर फिर बाहर आ जाएगी और हत्या करेगी।

क्या थी वजह

ये अपराध तब सामने आए जब पानीपत पुलिस ने सोमवार को छह साल की बच्ची की मौत के मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, उसने हर बार एक ही तरीका अपनाया- पानी से भरे टब या टैंक में डुबोकर हत्या करना। पानीपत के पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी मनोरोगी प्रतीत होती है और उसने अपनी एक रिश्तेदार को उस समय निशाना बनाया जब वह अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने आई थी। तीनों पीड़ित बच्चियां महिला की रिश्तेदार थीं। इनमें से दो छह साल की और एक नौ साल की थी। सोमवार को हुई हत्या से पहले, मृतकों के परिवारों ने बच्चियों की मौत को दुर्घटनावश हुई मौत मानकर उनका अंतिम संस्कार कर दिया था। एसपी ने हत्या के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि आरोपी ने पुलिस को बताया कि जो सुंदर बच्चियां हैं उनसे इसे नफरत सी है।

पति-पत्नी की हत्या के 2 दोषी, जेल में पनपा प्यार तो हो गए फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में कुछ चीजें हम तय करते हैं और कुछ ऐसी हैं जिनपर हमारा वश नहीं होता। लेकिन इसी जिंदगी में कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जो हमें किसी समय पसंद नहीं होती और जिंदगी के किसी दूसरे पड़ाव पर बहुत खूबसूरत लगने लगती है। कई बार ऐन मौके पर यह खुशी भी किसी पहले लिए गए गलत काम के कारण छिन जाती है। ठीक ऐसा ही हुआ सूरत की एक जेल में अपने-अपने पार्टनर की हत्या कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचे दो लोगों के साथ। दोनों ने अपने पार्टनर की हत्या की और जेल गए। जेल में ही दोनों को प्यार हुआ और शादी कर ली। पैरोल पर बाहर आए और फरार हो गए। अब 5 सालों की तलाश के बाद पुलिस ने दोनों हरियाणा से गिरफ्तार किया है। बात 15 साल पहले की है। बिहार के रहने वाले रियाज मंसूरी ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए सूरत जेल भेज दिया। गुजरात की रहने वाली किन्नरी पटेल ने भी अपने पति की हत्या कर दी थी, जिसके बाद कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए सलाखों के पीछ भेज दिया। सीमेंट और ईंट की मजबूत दीवारों के पीछे लोहे की सलाखों के अंदर दोनों की मुलाकात हुई। मुलाकात करते-करते दोनों के बीच प्यार का सुंदर फूल भी खिल गया। दोनों पैरोल पर जेल से बाहर आए और शादी कर ली। शादी के बाद दोनों फरार हो गए और हरियाणा जा बसे। यहां उनका एक बच्चा हुआ जो अब पांच साल का है। जिंदगी अच्छी चल रही थी, लेकिन कहते हैं कि पुराने कर्म आसानी से पीछा नहीं छोड़ते हैं। लंबे समय से तलाश कर रही पुलिस यहां पहुंची और जेल में शुरू हुई कहानी को पुलिस ने फिर से जेल के फ्रेम में पहुंचा दिया।

इंडिगो की विफलता सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत..., कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साधा निशाना

इंडिगो परिचालन संकट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा, इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल की कीमत' है। एक बार फिर आम भारतीयों को देरी, उड़ानों के रद्द होने और असहाय महसूस करने के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, न कि मैच फिक्सिंग वाला एकाधिकार। इंडिगोइंडिगो ने गुरुवार को 550 से ज्यादा उड़ानें रद्द कीं और शुक्रवार को 400 उड़ानें रद्द की गईं। इसके कारण सैकड़ों यात्रियों की यात्रा की योजना प्रभावित हुई। इंडिगो ने गुरुवार को डीजीसीए को बताया कि उनकी उड़ानें 10 फरवरी, 2026 तक पूरी तरह से सामान्य हो जाएंगी। उस दिन कंपनी ने उड़ान ड्यूटी नियमों में अस्थायी ढील की भी मांग की, क्योंकि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने 550 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं और सैकड़ों यात्रियों की यात्रा प्रभावित हो गई। कंपनी ने माना कि हाल के दिनों में उड़ानों में हुई परेशानियां मुख्य रूप से फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के दूसरे चरण को लागू करने में गलत योजना और आंकलन की वजह से हुई हैं। इंडिगो ने नियामक को यह भी बताया कि आठ दिसंबर तक और उड़ानें रद्द की जाएंगी और उस दिन से उनकी सेवाओं में कमी भी रहेगी। विमानन मंत्री ने की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठकविमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने अहम उड़ानों में रुकावट की स्थिति का आकलन करने के लिए उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने इंडिगो के नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के तरीके पर असंतोष जताया, क्योंकि कंपनी के पास इसे करने के लिए पर्याप्त समय था।